

गोगा जी म्हारे घर में पधारो | By Sunil Sarvottam

गोगाजी म्हारे घर में पधारो
गोगाजी म्हारे घर में पधारो
आओ जाहरवीर हमारे
बिगड़े काज संवारो जी

आओ गोगा पीर जी हमने
सुन्दर भवन सजाया
भजन मंडली है बुलवाई
जागरण भी करवाया
गोगाजी हमें दर्शन देके
भव सागर से तारो जी

नीले घोड़े पे चढ़ आओ
आना जाहरवीर जी
भोग बनाया चूरमा हमने
और बनाई खीर भी
भोग लगाने आ जाओ जी
बाँट निहारे थारो जी

बाछल माँ के प्यारे हो तुम
गोगा पीर हमारे
जो भी तेरी शरण में आये
हो गए वारे न्यारे
सारे मिलकर गोगाजी की
जय जयकार पुकारो जी

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%97%e0%a5%8b%e0%a4%97%e0%a4%be-%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%98%e0%a4%b0-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%aa%e0%a4%a7%e0%a4%be%e0%a4%b0/>